आपने लिखा

अंक 31 माह अप्रैल-मई 2000 मिला साधुवाद। प्रसन्नता है कि संदर्भ अब समय पर निकलने लगी है। संपादन की सीमाएं, व्यथाएं तो होती ही हैं, फिर भी आपने जिस लगन, परिश्रम, कर्मठता से पत्रिका को समय पर उपलब्ध करवाने का संकल्प पूरा किया। मुझे विश्वास है कि जून-जुलाई का तो नहीं लेकिन अगस्त-सितंबर का अंक अगस्त के पहले सप्ताह में मिल जाएगा।

शिवचरण मंत्री
किशनगढ़, अजमेर, राजस्थान

संदर्भ का 30 वां अंक व मेरे लिए पहला अंक प्राप्त हुआ। पत्रिका को खोलते ही इसकी श्रेष्ठता का अंदाज़ा मुझे हो गया। इसके लिए मैं IUCAA, पुणे के अरविंद परांजपे का बहुत ही आभारी हूं जिन्होंने मुझे 'संदर्भ' की सदस्यता लेने का सुझाव दिया।

वास्तव में एक विद्यार्थी को पाठ्य-पुस्तकों के अतिरिक्त जिस तरह की ज्ञानवर्धक किताबों की ज़रूरत होती है, संदर्भ इस कसौटी पर खरी उतरती है। सभी लेख बेहद रोचक थे। विशेष रूप से प्राचीन भारत में रेखागणित, स्त्री शिक्षा और चुंबक पर लेख मुझे पसंद आए, साथ ही नदी अपहरण तथा पौधों में भोजन जैसे लेख काफी ज्ञानवर्धक थे।

मुझे यह जानकर भी बेहद खुशी हुई कि संदर्भ के प्रकाशन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय व भारत पेट्रोलियम का भी सहयोग है। मेरे विचार से यदि देश के औद्योगिक क्षेत्र इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग देते रहे तो देश में शैक्षिक क्रांति लाई जा सकती है।

जैसा कि आपने बताया कि अब संदर्भ को बुक स्टाल पर उपलब्ध करवाने की योजना है तो इस दिशा में मैं अपनी ओर से पूरा सहयोग देने की कोशिश करूंगा।

आसिफ अली खान
रेलवे कॉलोनी, फतेहपुर, उ. प्र.

आपका खत मिला लेकिन बारहवीं की परीक्षा के कारण जवाब देने में विलंब हुआ।

विज्ञान इतना सहज हो सकता है यह बात संदर्भ पढ़कर ही समझ में आती है। आज तक स्कूल-कॉलेज में जो विज्ञान पढ़ी वह बहुत ही कठिन व क्लिष्ट रूप में थी लेकिन संदर्भ पढने के बाद पता चला कि ज्ञान-विज्ञान इतना मनोरंजक भी और रसपूर्ण भी होता है।

मनस्विनी
मुंबई